

स्कॉर्पियो की बॉडी में बना रखा था गुप्त ठिकाना, पुलिस ने जब्त किए 1.29 करोड़ रुपये



बरखेड़ा उदा में पुलिस की दबिश के दौरान हुआ खुलासा, तीन लोगों से नकदी और बिना नंबर की स्कॉर्पियो-एन कार जब्त

मंदसौर। जिले के शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा उदा में पुलिस ने एक बिना नंबर की काले रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन कार से 1 करोड़ 29 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। कार की बॉडी में बनाए गए गुप्त स्थानों पर यह राशि छिपाकर रखी गई थी। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को अभिरक्षा में लेकर नकदी के स्रोतों की जांच शुरू कर दी है। जब्त कार की

कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सूचना देने की बात कही है। पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि ग्राम बरखेड़ा उदा के सरपंच भवानीशंकर मोणा के घर के पीछे बने बाड़े में बिना नंबर की काली स्कॉर्पियो-एन कार खड़ी है। कार में बड़ी मात्रा में नकदी छिपाकर रखे जाने और तीनों व्यक्तियों के वहां से जाने की तैयारी की सूचना पर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम सनेही मिश्रा और

सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को मौके पर भवानीशंकर मोणा के साथ उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के निवासी मोहम्मद इस्लाम और सूर्य प्रकाश मिले। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने तीनों को अभिरक्षा में लेकर उनके घर, बाड़े और आसपास के खेतों में तलाशी ली। इसके बाद कार को शामगढ़ थाने लाकर मैकेनिक की मदद से उसकी विधिवत तलाशी ली गई। कार की बॉडी खोलकर जांच करने पर गुप्त स्थानों में छिपाई गई 1 करोड़ 29 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई। पुलिस ने बरखेड़ा उदा निवासी भवानीशंकर मोणा (49), बरेली जिले के इज्जतनगर थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद इस्लाम (47) और सूर्य प्रकाश (59) से जब्त नकदी के स्रोतों के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस की प्रारंभिक सूचना में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित कमाई होने का संदेह जताया गया है, हालांकि नकदी के वास्तविक स्रोत की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस कार्रवाई में सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में सुवासरा थाना प्रभारी बी.डी. वीरा, भानपुरा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुंदेला, शामगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सोराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह कनेश, ओ.पी. राठौर, मनोज महाजन सहित शामगढ़, सुवासरा और भानपुरा थानों के पुलिस बल की सहायता भी मिली।

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन का जिला प्रशासन के अधिकारियों ने किया सम्मान

हरदा। जिले से स्थानांतरित कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन का बुधवार शाम जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिले के अधिकारियों ने श्री जैन के कार्यकाल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। सम्मान समारोह में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने अपने संबोधन में जिले में कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिले सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने



जिले में पदस्थापना के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों

के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों ने

श्री जैन को पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया तथा स्मृति चिह्न भेंट किया। अधिकारियों ने उनके कार्यकाल में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री शशांक, वन मंडल अधिकारी सुश्री ज्योति मुडिया एवं श्री नरेश पंडवा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भागवत, अपर कलेक्टर श्री पुरुषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा चौहान, श्रीमती सलोनी जैन सहित जिले के प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में सांसद ने दिए निर्देश, योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर दिया जोर



जनप्रतिनिधियों के पत्रों का 15-20 दिन में निराकरण करने और विद्युत उपकरणों की चोरी पर कार्रवाई के निर्देश

मंदसौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के मंदसौर डिवीजन कार्यालय में सांसद सुधीर गुप्ता ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं तथा विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यों की गुणवत्ता, जनसमस्याओं के निराकरण और विद्युत उपकरणों की सुरक्षा को लेकर सरकार की आदेशों-निर्देश दिए गए। बैठक में केंद्र सरकार की वाराणसी एनपीडी योजना तथा राज्य शासन की एमएसटीडी योजना तथा सौर ऊर्जा परियोजनाओं के अंतर्गत किए

जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आम नागरिकों को इनका लाभ मिल सके। साथ ही योजनाओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों के स्थलों पर योजना एवं कार्य से संबंधित संपूर्ण जानकारी वाले सूचना बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। जनप्रतिनिधियों के पत्रों का समय-सीमा में हो निराकरण बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने त्योहारों के दौरान विद्युत कटौती को लेकर कहा कि त्योहारों के समय निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत लाइनों एवं उपकरणों के मंटेनेंस कार्य समय से पूर्व ही पूरे कर लिए जाएं, ताकि त्योहारों के दौरान आमजन को बिजली कटौती की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने ग्रामीण

क्षेत्रों में रबी की फसल की सिंचाई के लिए किसानों को समय पर पानी उपलब्ध हो सके, इसके लिए निर्बाध एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। सांसद ने जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं एवं कार्यों के संबंध में भेजे जाने वाले पत्रों पर गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों का 15 से 20 दिनों के भीतर निराकरण किया जाए तथा की गई कार्रवाई से प्रत्युत्तर के माध्यम से संबंधित जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जाए। पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा सांसद ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजना से संबंधित तुलनात्मक डाटा तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के प्रचार-प्रसार के साथ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाए, जिससे नागरिक सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकें। बैठक में विद्युत उपकरणों की चोरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सांसद ने निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर, ऑयल, कॉइल सहित अन्य विद्युत उपकरणों की चोरी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर चोरी की घटनाओं में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान, गिरफ्तारी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत संचयनों की सुरक्षा तथा चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सक्रियता से कार्य करने को कहा।

स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर ओपीडी प्रगति की समीक्षा की। कम प्रगति पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रगति लाने तथा कम प्रगति मिलने पर संबंधित के वेतन आहरण करने पर रोक



लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ.सोनवणे ने गर्भवती महिलाओं में एनसी पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुये बैतूल शहरी , प्रभात पट्टन, भैंसदेही की प्रगति लाने के निर्देश दिये (उन्होंने टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा

के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र चिचोली और चिरापाटला बेला में कम प्रगति मिलने और जानकारी फोड न करने पर संबंधित सीएचओ एवं बीपीएम का एक माह का वेतन आहरण रोकने तथा शाहपुर में बीएमओ को नोटिस

जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन उप स्वास्थ्य केंद्रों में कम प्रगति है वहां के एएनएम का वेतन रोकने एवं बीपीएम और बोईई को एन्टी नहीं करवाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके अलावा जिला टीकाकरण अधिकारी को कम प्रगति वाले उप स्वास्थ्य केंद्रों की समीक्षा न करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। शाहपुर-डाबरी में टीकाकरण में कम उपलब्धि पर, यूनिन पोर्टल में एन्टी न करने पर बीएमओ, बीपीएम,बीसीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारी मुलताई को प्रव्रव उपलब्धि की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, छह प्रकरण दर्ज; 251 बोतल-कैन जब्त



मंदसौर। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री और संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए छह प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई के दौरान देशी-विदेशी मदिरा और बीयर की कुल 251 बोतलें व कैन जब्त किए गए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देशानुसार आबकारी विभाग की टीम ने मंदसौर नगर में श्यामलाल पिता चन्द्र से देशी मदिरा की 42 बोतलें तथा दशरथ पिता मोहनलाल और राजसिंह पिता प्रेमसिंह से देशी मदिरा की कुल 35 बोतलें जब्त कीं। वहीं, अभिनंदन क्षेत्र स्थित एक ढाबे से महेश पिता सुंदरलाल ग्वाला के कब्जे से देशी मदिरा की 22 बोतलें और विदेशी मदिरा व बीयर की

14 बोतलें व कैन जब्त किए गए। इसी क्रम में सीतामऊ तहसील के ग्राम मुवाला में योगेन्द्र पिता दहू सिंह भाटी के घर की तलाशी के दौरान देशी मदिरा के 104 बोतल, 93 पाव और माउंट बीयर की छह बोतलें जब्त की गईं। सुवासरा नगर में मीनाक्षी पति जालम सिंह राजपूत के घर से देशी मदिरा की 28 बोतलें जब्त की गईं। आबकारी विभाग ने संबंधित मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए हैं। विभाग के अनुसार अवैध मदिरा की बिक्री, परिवहन और संग्रहण पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने कड़ाई वुडन क्लस्टर का किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को ग्राम कड़ाई पहुंचकर यहां प्रगतिरत कड़ाई वुडन क्लस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने क्लस्टर के निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि क्लस्टर में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों के साथ आगामी सप्ताह में बैठक आयोजित कर उन्हें उपलब्ध सुविधाओं एवं संभावनाओं की जानकारी दी जाए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने ग्राम कड़ाई में प्रगतिरत फायर स्टेशन और आईएसबीटी के लिए भूमि का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कड़ाई वुडन क्लस्टर तक पहुंच मार्ग के लिए प्रस्तावित प्लान की भी अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तावित मार्ग, आवश्यक सुविधाओं एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री नवनीत पांडे, सहायक संचालक उद्योग श्री धीरज मंडलेकर सहित उद्योग संघ के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के कार्यों में लापरवाही पर 5 पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायक को नोटिस

बैतूल। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सॉपे गए कार्यों में लापरवाही बरतने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने पर जिला पंचायत बैतूल द्वारा 5 पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में नदी-नालों के बहते पानी को रोकने के उद्देश्य से पूर्व से निर्मित स्टॉप डैम में कड़ी शटर लगाने तथा बोरी बंधान का कार्य कराया जाना था। संबंधित कर्मचारियों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में उक्त कार्य पूर्ण नहीं किए जाने पर जिला पंचायत प्रशासन ने कार्रवाई की है। जनपद पंचायत भैंसदेही की ग्राम पंचायत चिल्कापुर सचिव एवं रामघाटी प्रभारी सचिव श्री ज्ञानराव मौसिक, ग्राम पंचायत निपान्या सचिव एवं गदराझिरी में पदस्थ प्रभारी सचिव श्री रामदास सलामे, जनपद पंचायत शाहपुर की ग्राम पंचायत भयावाड़ी के सचिव श्री सुरेश सिरोरिया, जनपद पंचायत भीमपुर की ग्राम पंचायत रातामाटी सचिव एवं डोकिया के प्रभारी सचिव श्री विजय कवडे तथा ग्राम पंचायत बेला के ग्राम रोजगार सहायक एवं प्रभारी सचिव श्री सुरेश विश्वकर्मा के विरुद्ध भी कारण बताओ नोटिस जारी कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

शिक्षा संजीवनी अभियान: शासकीय स्कूलों को डेस्क- बेंच किए भेंट

बैतूल। जिले में शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मूलभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। अभियान के तहत जनसहभागिता से स्कूलों में डेस्क-बेंच, पर्याप्त विद्युत आपूर्ति, पंखे, प्रकाश व्यवस्था, ई लर्निंग टूल्स, क्रियाशील शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में जितेंद्र सुनारे द्वारा ईपीईएस एमएस पांडरा को 10 सेट डेस्क-बेंच तथा सांदीपनि विद्यालय घोड़ाडोंगरा द्वारा पीएस भेड़ीढाना को 20 सेट डेस्क बेंच भेंट किए। इसी प्रकार खनिज विभाग से मनोज त्यागी द्वारा एमएस कोलगांव को 20 डेस्क-बेंच, पीडब्ल्यूडी विभाग के अखिलेश कवड़े द्वारा पीएस कल्याणपुर को 20 सेट डेस्क- बेंच भेंट किये। इसके अलावा एकीकृत शा.मा.शाला बडोरा के छात्र-छात्राओं को श्री गजेन्द्र पवार द्वारा कम्बल व स्कूल बैग वितरित किए गए। प्राथमिक शाला, आश्रम शाला मोरुढाना को श्री जादीश जीतपुरे, श्री सुभाष धुर्वे, श्री लुत्तसीराम धुर्वे, अमरलाल मोरोंपे, श्री बापू राव, श्री धनराज उर्डेके के द्वारा 1-1 टेबल बेंच भेंट की गई। जिला प्रशासन ने शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत जिलेवासियों से जनभागीदारी की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि विद्यालयों में डेस्क-बेंच, बिजली, पंखे, प्रकाश व्यवस्था एवं क्रियाशील शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने में सभी सहयोग करें। शिक्षक, पालक, जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं नागरिक अपने स्तर पर विद्यालयों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहभागिता निभाएं।

रबी सिंचाई हेतु जल उपलब्धता, नहरों के संधारण एवं कृषकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण पर हुई चर्चा

हरदा। जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरुषोत्तम कुमार, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग हरदा श्रीमती सोनम बाजपेयी, उप संचालक कृषि श्री प्रकाश ठाकुर, उप माहप्रबंधक मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी श्री कमल कांत सिंह, पुलिस विभाग से एसडीओपी श्रीमती शालिनी परस्ते, सिंचाई विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे। बैठक में आगामी रबी सिंचाई हेतु जल उपलब्धता, नहरों के सुचारु संचालन, साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्यों तथा कृषकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में

अवगत कराया गया कि वर्तमान में तवा बांध का जलभराव स्तर 1162 एमसीएम अर्थात 87.65 प्रतिशत है। इस वर्ष हरदा जिले में नहरों के माध्यम से 1,04,843 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक के दौरान कृषकों द्वारा 22 अक्टूबर 2026 से हरदा जिले के बिंदु क्रमांक 3008 पर सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। कृषकों ने यह भी सुझाव दिया कि नहरों में पानी छोड़े जाने से पूर्व नहरों की समुचित साफ-सफाई, गाद निकासी एवं आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण कराए जाएं, ताकि जल प्रवाह सुचारु बना रहे तथा कृषकों को सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वलासीफीड विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

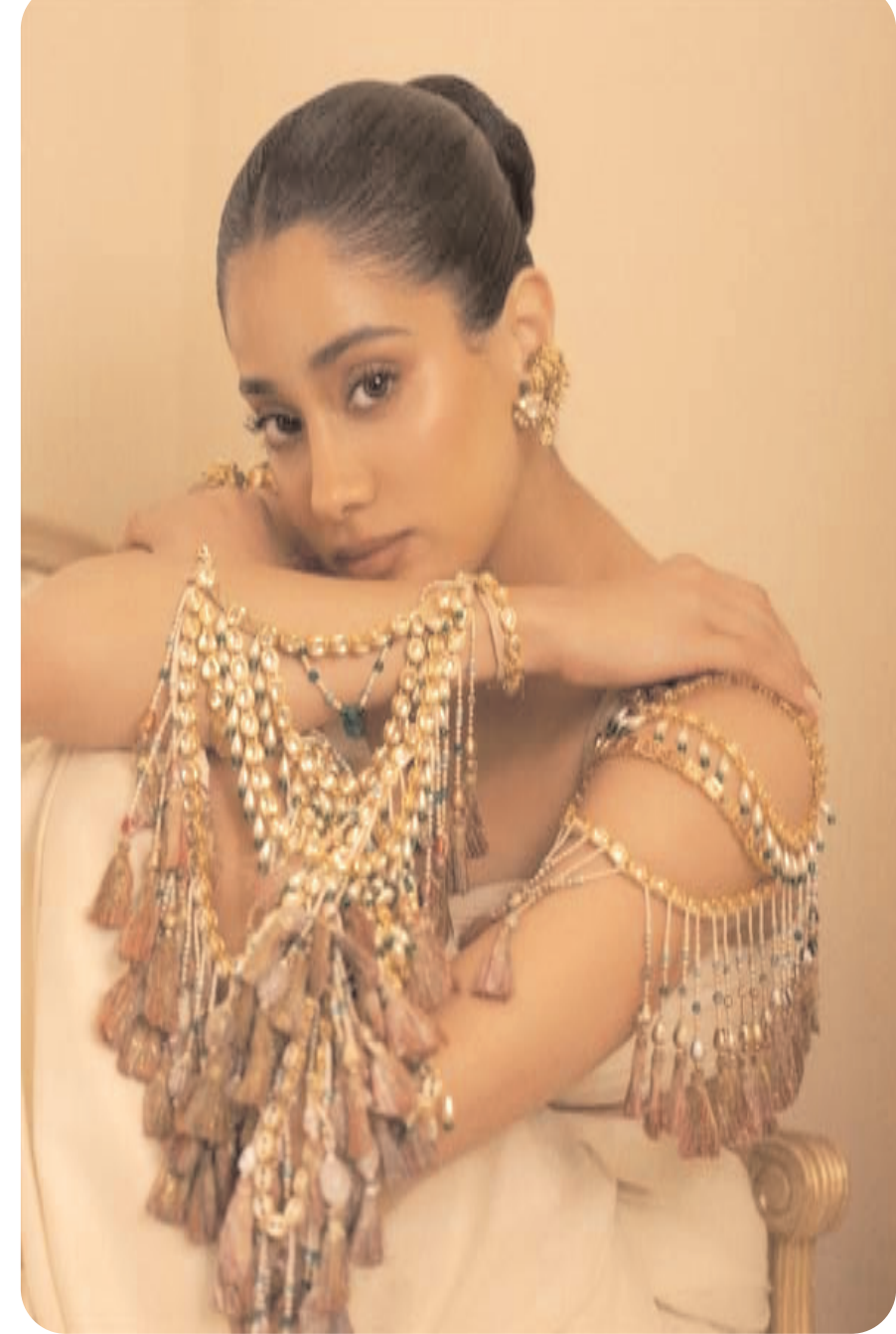
स्कीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलावें

जान्हवी कपूर ने पेरिस में बीओएफ 500 गाला में बिखेरा देसी ग्लैमर



जान्हवी कपूर ने पेरिस में आयोजित बीओएफ 500 गाला में भारतीय शिल्प और डिजाइन की खूबसूरती को ग्लोबल फैशन मंच पर पेश किया है। इस खास मौके पर वह पंकज एस हेरिटेज के कस्टम आउटफिट में नजर आईं, जिसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। ऑफ-व्हाइट रंग के इस खूबसूरत लुक में पारंपरिक छह गज की साड़ी के सिलहूट को एक मॉडर्न अंदाज में पेश किया गया था। लो-स्लंग ड्रेप, खुले कंधे और जमीन तक जाती एलिंगेंट पल्लू ने उनके लुक को बेहद खास बना दिया। 460-कार्टे बंगाल मलमल से तैयार इस आउटफिट ने भारतीय टेक्सटाइल की खूबसूरती को सेलिब्रेट किया, वहीं इसका लुक पूरी तरह मॉडर्न और ग्लोबल रखा गया था। सिंपल आइवरी बेस के साथ गोल्ड बीड्स, मोतियों, सीपियों, पत्तों, पोल्की और टेसल्स से तैयार किया गया शानदार हैंडक्राफ्टेड अर्द्धनर्मित उनके लुक का सबसे खास हिस्सा रहा। कंधे से लेकर बांह तक नजर आ रही यह ज्वेलरी डिटेलिंग पूरे लुक को ड्रामेटिक और ग्लैमरस टच दे रही थी। गौरतलब है कि पेरिस फैशन वीक के सबसे प्रभावशाली फैशन आयोजनों में शामिल बीओएफ 500 गाला में जान्हवी का यह लुक विरासत और आधुनिक ग्लोबल ग्लैमर का खूबसूरत संतुलन नजर आया। अपने इस अंदाज के जरिए उन्होंने भारतीय डिजाइन, टेक्सटाइल आर्ट और बेहतरीन कारीगरी को अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच पर खास पहचान दिलाई है।



गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं को क्यों होने लगती है भूलने की आदत? जानिए 5 कारण

गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं को भूलने की आदत लगने का अनुभव हो सकता है। यह एक सामान्य समस्या है और इसे लेकर ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनकी वजह से गर्भवती महिलाओं को भूलने की समस्या हो सकती है। इन कारणों को समझकर आप इस स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकती हैं और अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं।

हार्मोनल परिवर्तन

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मानसिक स्थिति पर असर डाल सकते हैं। जैसे-जैसे गर्भ बढ़ता है, शरीर में कुछ हार्मोन का स्तर बदलता रहता है।इन बदलावों के कारण महिलाओं को भूलने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।इस स्थिति को समझकर आप अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह ले सकती हैं।

नींद की कमी

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर नींद की कमी का सामना करना पड़ता है। पेट बढ़ने और असुविधाजनक महसूस होने के कारण अच्छी नींद लेना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा रात में बार-बार बाथरूम जाना भी एक बड़ी समस्या होती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं को दिन में थकान और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है, जिससे भूलने की समस्या भी बढ़ सकती है।ऐसे में रोजाना 8 घंटे की नींद सुनिश्चित करें।

तनाव और चिंता



गर्भावस्था एक सुखद अनुभव होने के साथ-साथ कई चुनौतियों से भरी होती है। इस दौरान तनाव और चिंता होना सामान्य है, लेकिन ये भी भूलने की आदत का कारण बन सकती हैं।आने वाले बच्चे की जिम्मेदारियां, शारीरिक बदलाव और परिवार के अन्य सदस्यों की अपेक्षाएं इन समस्याओं को बढ़ा सकती हैं।इस स्थिति को बेहतर तरीके से संभालने के लिए योग, ध्यान या अन्य आरामदायक गतिविधियों का अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है।

पोषण की कमी

सही पोषण लेना गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत जरूरी होता है। अगर खाने-पीने में जरूरी विटामिन और खनिजों की कमी हो तो इसका असर दिमाग की कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है, जिससे भूलने की समस्या हो सकती है। इसलिए, गर्भावस्था के दौरान संतुलित आहार लेना बेहद अहम है। इसके अलावा पानी का पर्याप्त सेवन भी जरूरी है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और दिमाग सही तरीके से काम कर सके।

उम्र का प्रभाव

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे दिमाग की कार्यप्रणाली धीमी होती जाती है, जिससे भूलने की समस्या बढ़ सकती है। गर्भावस्था के दौरान भी यही सच लागू होता है।युवा महिलाएं कम भूलती हैं, जबकि उम्रदराज महिलाओं को ज्यादा भूलने की समस्या होती है।इसलिए, उम्र का ध्यान रखते हुए अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पूरा खयाल रखना जरूरी है, ताकि भूलने की समस्या कम हो सके।

विवकी कौशल की महावतार में तारा सुतारिया, पीछे छूटीं श्रद्धा कपूर और हरनाज संधू

अभिनेता विक्की कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म महावतार की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, इस महा-फिल्म में लीड हीरोइन के रोल के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। इससे पहले श्रद्धा कपूर और पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू के नाम भी रेस में थे, लेकिन अब तारा सुतारिया ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

निर्देशक अमर कौशिक की इस फिल्म से श्रद्धा कपूर और हरनाज संधू का नाम जुड़ने के बाद अब फिल्म गलियारों में चर्चा है कि विक्की कौशल के अपोजिट रोल के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे ऊपर चल रहा है।

अगर बात बन गई तो ये पहला मौका होगा, जब विक्की और तारा किसी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। चर्चा तो ये भी है कि तारा ने इस फिल्म में खासी दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं।

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, ऋमहावतार की कास्टिंग को लेकर चर्चाएं पिछले कुछ समय से लगातार बदल रही हैं।

तारा का नाम भी निश्चित रूप से सामने आया है। निर्माता एक ऐसी अभिनेत्री को साइन करना चाहते हैं, जो फिल्म की इस भव्य व काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत छाप छोड़ सके और तारा इस कसौटी पर खरी उतरती हैं।

तारा पिछली बार सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आई थीं।

बता दें कि मैडॉक फिल्मस् के साथ छावा के बाद विक्की की ये दूसरी बड़ी फिल्म महावतार होगी, जिसकी शूटिंग

नानी और नितिन की नई फिल्म अलियास रुक्मिणी हुआ ऐलान

नानी और नितिन के प्रोजेक्ट एलियास रुक्मिणी की झलक सामने आई है। नेचुरल स्टार नानी एक दिलचस्प प्रोजेक्ट के लिए नितिन के साथ काम कर रहे हैं। आज मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और उसकी एक झलक भी दिखाई।

फिल्म का टाइटल एलियास रुक्मिणी रखा गया है, जो काफी दिलचस्प और रोमांचक है, और इसकी झलक ने सबका ध्यान खींचा है। धंधोरा फेम मुरली कांत देवसोथ इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की शुरुआत नानी के मुरली कांत देवसोथ से कहानी सुनाने के लिए कहने से होती है, और वे बताते हैं कि यह भगवान कृष्ण के बारे में है।

इसके बाद गरम गोपाल, अमेकु अमे अंते इष्टम और ब्रथम वेंकन्ना जैसे नॉवेल्स के विजुअल्स दिखाए जाते हैं, और आखिर में नानी पूछते हैं कि रुक्मिणी कौन है। फिर चरमा पहने नितिन सामने आते हैं और बताते हैं कि रुक्मिणी उनकी पत्नी हैं, और फिल्म का टाइटल एलियास रुक्मिणी सामने आता है।

आयुष्मान खुराना की फिल्म उड़ता तीर की बदली रिलीज तारीख, जानिए क्या है वजह

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी फिल्म उड़ता तीर का इंतजार बढ़ गया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित कॉमेडी-ड्रामा को तय समय से आगे बढ़ाकर नई रिलीज तारीख का ऐलान किया गया है। मतलब यह कि पहले फिल्म 9 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होनी थी, लेकिन अब दर्शकों को इसे देखने के लिए एक हफ्ते से ज्यादा इंतजार करना होगा। यह घोषणा अजय देवगन की हालिया रिलीज फिल्म दृश्यम 3 के शानदार प्रदर्शन के बीच हुई है।

फिल्म समीक्षक तर्ण आदर्श की पोस्ट के अनुसार, उड़ता तीर 23 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी।

हाल ही में इसका ट्रेलर आया था, जिसने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं हासिल कीं। फिल्म का प्रचार भी बढ़िया चल रहा है।

हालांकि, निर्माता चाहते हैं कि फिल्म सिनेमाघरों में बिना किसी रुकावट के रिलीज हो, ताकि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच स्क्रीन की कमी से बचा जा सके।

सोशल मीडिया यूजर्स इस फैसले को दृश्यम 3 के टकराव से बचने वाला कदम मान रहे हैं।



जनवरी, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

इस फिल्म में विक्की अमर और न्याय के प्रतीक भगवान परशुराम का मुख्य और शक्तिशाली किरदार निभाते नजर आएंगे।

विशाल पैमाने पर बनने वाली इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है और इसके जरिए विक्की एक बार फिर अपने नए अवतार से पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं।

सलमान खान की मातृभूमि को सरकार से मिली मंजूरी, इस दिन पर्दे पर लाने की तैयारी

सलमान खान की वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमि का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। नाम बदलने और टीजर पर आई प्रतिक्रियाओं से लेकर कई बार टलने के बाद फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। हालांकि, नई रिपोर्ट के मुताबिक अब ये सारी परेशानियां खत्म हो चुकी हैं। सब कुछ ठीक रहा तो मातृभूमि अगले महीने ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

मातृभूमि की कहानी पहले गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित थी।

चीन के चित्रण को लेकर सरकार की मंजूरी को लेकर फिल्म पर असमंजस बना हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म के नए वर्जन से संतुष्ट है और पिछले हफ्ते इसे एनओसी दे दी है। नया वर्जन पहले से काफी अलग है और इसमें भारत-चीन रिश्तों का सकारात्मक पहलू भी दिखाया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने फिल्म के शुरुआती चीन-विरोधी रूख पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद मातृभूमि के कई हिस्से दोबारा शूट किए गए।

एक सूत्र ने बताया कि फिल्म का नया वर्जन पहले से काफी अलग है। इसमें अब भारत और चीन के रिश्तों को सकारात्मक नजरिए से भी दिखाया गया है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, वहीं एंटरटेनमेंट पोर्टल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म की रिलीज तारीख भी तय हो चुकी है।

सूत्र के अनुसार, सलमान अब इस साल 13 नवंबर को फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

टैटू स्टूडियो चलाते हैं तो इन बातों का रखें विशेष ध्यान, बनी रहेगी साफ-सफाई



टैटू बनवाने से पहले लोग स्टूडियो की सफाई का खास ध्यान रखते हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से अहम भी है। इसकी पूरी जिम्मेदारी टैटू आर्टिस्ट के कंधों पर होती है, जो स्टूडियो चलाते हैं। अगर आप भी टैटू आर्टिस्ट हैं और अपने स्टूडियो को साफ-सुथरा रखना चाहते हैं तो ये टिप्स आपके लिए अहम हो जाते हैं। इनका ध्यान रख कर स्टूडियो भी साफ रहेगा और आप बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे।

हाथों की सफाई है जरूरी

हर टैटू स्टूडियो संचालक और कलाकार का सबसे पहला काम होना चाहिए कि वे अपने हाथों को साफ रखें इसके लिए सबसे पहले तो टैटू बनाने समय रबर के दस्ताने पहनें और हर बार जब आप टैटू बनाना शुरू करें तो अपने हाथों को कीटाणुनाशक से साफ करें।साथ ही टैटू बनाने के बाद हाथों को साबुन से धोएं और साफ तौलिये से सुखाएं। यह सुनिश्चित करने से आप और आपका ग्राहक, दोनों सुरक्षित रहेंगे।

कपड़ों की सफाई भी है अहम

टैटू बनाने समय इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को साफ रखना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि गंदे उपकरण संक्रमण का कारण बन सकते हैं।इसलिए टैटू बनाने के बाद उपकरणों को साफ करें और उन्हेंकीटाणुनाशक से साफ करने के बाद ही रखें।इसके अलावा टैटू बनाने के बाद अपने उपकरणों को साफ करने के लिए अच्छे क्लीनर का इस्तेमाल करें। इससे संक्रमण का खतरा कम होता है और ग्राहक का भरोसा भी बढ़ता है।

कपड़ों की सफाई भी है अहम

टैटू स्टूडियो संचालक और कलाकार अपने कपड़ों को भी साफ रखें, क्योंकि गंदे कपड़े भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इसलिए अपने कपड़ों को रोजाना धोएं और धुले हुए कपड़ों को ही पहनें। इसके अलावा टैटू बनवाने वाले व्यक्ति को भी अपने कपड़ों का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही स्टूडियो में मौजूद सभी लोगों को भी अपने कपड़ों का ध्यान रखना चाहिए।इससे सभी सुरक्षित रहेंगे और स्टूडियो का माहौल भी साफ-सुथरा रहेगा।

ग्राहक की त्वचा को साफ करें

टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा को साफ करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपने स्टूडियो में कीटाणुनाशक रखें और टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा को साफ करने के लिए उसका इस्तेमाल करें। इसके अलावा टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा पर टैटू बनाने से पहले कीटाणुनाशक लगाने से त्वचा में नमी भी रहती है और टैटू बनाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इससे टैटू बनवाने वाले व्यक्ति को भी तसल्ली मिलती है।



स्टारलिक ने लगाई पाबंदियां, ड्रोन का कनेक्शन टूटने से यूक्रेन का सैन्य अभियान प्रभावित

यूक्रेन को शक! एलन मस्क ने भी दी सफाई, ट्रंप प्रशासन ने भी किया इनकार

कीव। रूस के जंग लड़ रहे यूक्रेन को सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिक से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है, जिसने देश के सैन्य अभियानों पर असर डाला है। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार रात को स्टारलिक की सेवाओं में अचानक पाबंदियां लगने के बाद 160 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से उड़ने वाले ड्रोन का कनेक्शन टूटने लगा है। इस गति सीमा ने यूक्रेन के उन अहम अभियानों को प्रभावित किया है, जो रूसी ड्रोंनों को रोकने और दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने के लिए चलाए जा रहे थे। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सेवा स्टारलिक, यूक्रेन की सेना के लिए ड्रोन



चलाने, सैनिकों के बीच संपर्क बनाए रखने और विभिन्न कमांड पोस्ट को जोड़ने वाली एक अहम रीढ़ बन चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला



ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच रूस के तेल ठिकानों पर हमलों को लेकर



तनाव बढ़ रहा है। यूक्रेन को शक है कि यह पाबंदी जानबूझकर लगाई गई है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इसके पीछे कौन है और इसका वास्तविक कारण क्या है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार ने बताया कि सेना को स्पीड लिमिट के बारे में पहले से कोई अभियान बाधित हुए। कुछ सैन्य इकाइयों ने तो 80 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार पर ही कनेक्शन टूटने की शिकायत की। ऐसे में अचानक कनेक्शन सीमित होने का असर सिर्फ इंटरनेट इस्तेमाल पर नहीं, बल्कि यूक्रेन की युद्ध लड़ने की क्षमता पर भी पड़ सकता है। रूस के जेट से चलने वाले शाहद ड्रोन करीब 319 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकते हैं, जो स्टारलिक पर

लगाई गई 160 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमा से कहीं ज्यादा है। यूक्रेन के पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा है कि स्टारशील्ड पर लगी स्पीड लिमिट को पूरी तरह हटाना यूक्रेन की रक्षा के लिए जरूरी है। एलन मस्क ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि स्टारलिक उनकी कंपनी स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में है और इसकी गति या इस्तेमाल पर कोई भी सीमा अमेरिकी सेना और अमेरिकी राष्ट्रपति तय करते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन का इन पाबंदियों से कोई लेना-देना होने से इनकार किया है और इसे एक तकनीकी खराबी बताया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने समस्या के समाधान के लिए व्हाइट हाउस, सीआईए और पेंटागन से भी संपर्क किया है।

लगाई गई 160 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमा से कहीं ज्यादा है। यूक्रेन के पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा है कि स्टारशील्ड पर लगी स्पीड लिमिट को पूरी तरह हटाना यूक्रेन की रक्षा के लिए जरूरी है। एलन मस्क ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि स्टारलिक उनकी कंपनी स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में है और इसकी गति या इस्तेमाल पर कोई भी सीमा अमेरिकी सेना और अमेरिकी राष्ट्रपति तय करते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन का इन पाबंदियों से कोई लेना-देना होने से इनकार किया है और इसे एक तकनीकी खराबी बताया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने समस्या के समाधान के लिए व्हाइट हाउस, सीआईए और पेंटागन से भी संपर्क किया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में हिंदुओं के खिलाफ नफरती अपराधों में 15 फीसदी की हुई बढ़ोतरी

लंदन। ब्रिटेन में रह रहे अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरती अपराधों में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। ब्रिटिश सरकार के गृह विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इंग्लैंड और वेल्स में हिंदुओं को निशाना बनाकर किए जाने वाले धार्मिक हेत क्राइम के मामलों में पिछले एक साल 15फीसदी का उछाल आया है। पुलिस ने मार्च 2025 से इस साल मार्च के बीच इंग्लैंड और वेल्स में कुल 146,825 हेत क्राइम रिकॉर्ड किए। रिपोर्ट के मुताबिक यहां न सिर्फ हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और सिख समुदाय भी लगातार नफरती हमलों का शिकार हो रहे हैं। हिंदू कार्टिसिल यूके के प्रबंध निदेशक अनिल भनोटे के मुताबिक हिंदुओं के मामले में वास्तविक स्थिति पूरी तरह अलग है और वे गंभीर शारीरिक हमलों में बढ़ोतरी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सरकारी आंकड़े असली तस्वीर बयां नहीं करते, क्योंकि यदि नफरती अपराध शारीरिक हमला न हो, तो कई हिंदू अब भी चुपचाप सहना ही बेहतर समझते हैं। वे पुलिस में शिकायत इसलिए दर्ज नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि अधिकारी इस पर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए हिंदू मंदिर सरकारी फंडिंग के लिए आवेदन तो कर सकते हैं, लेकिन ऐतिहासिक रूप से उन्हें अरब तक कोई राशि आवंटित नहीं की गई है। ब्रिटिश हिंदुओं के लिए काम करने वाले एडवोकेसी रूप इनसाइट यूके के प्रवक्ता ने कहा कि यहूदियों के पूजा स्थलों और मस्जिदों के लिए विशेष सुरक्षा योजनाएं हैं, जबकि हिंदू मंदिरों के लिए ऐसी कोई अलग व्यवस्था नहीं है और उन्हें सामान्य फंडिंग के बहुत छोटे से हिस्से के लिए भी होड़ लगानी पड़ती है।

हुती विद्रोहियों के हमलों के बाद सऊदी अरब की उड़ानें 17 अक्टूबर तक कैसिल

रियाद। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सुरक्षा कारणों से इंडिगो और एअर इंडिया ने सऊदी अरब की सभी उड़ानें 17 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। मंगलवार को जारी नई एवड़ाइरी में इंडिगो और एअर इंडिया ने कहा कि रियाद, जेद्दा, दम्माम या मदीना जाने वाले यात्री घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक कर लें, बिना कंफर्मेशन एयरपोर्ट न जाएं। उड़ानें रद्द करने की मुख्य वजह यमन के हुती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले हैं। शनिवार-रविवार को रियाद के मुख्य एयरपोर्ट और दम्माम शहर के पास हुए हमलों के बाद सऊदी सरकार ने अपने एयरस्पेस को सुरक्षित रखने के लिए रियाद एयरपोर्ट को 17 अक्टूबर की देर रात तक के लिए बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने सऊदी अरब के 4 प्रमुख शहरों- रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 17 अक्टूबर तक बंद कर दी हैं। इंडिगो ने यात्रियों से कहा कि सऊदी में सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। एअर इंडिया ने एक्स पर बताया कि रियाद, दम्माम और जेद्दा जाने वाली उनकी सभी उड़ानें 17 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। अगर आसकी फ्लाइट रद्द हुई है, तो टिकट कैसिल कराने पर एयरलाइन आपका पूरा पैसा वापस करेगी। सिर्फ इंडिगो और एअर इंडिया ही नहीं, बल्कि आकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी सऊदी अरब जाने वाली अपनी फ्लाइट्स रोक दी हैं। इसके अलावा एमिरेट्स, इतिहाद, फ्लाइटदुबई और कतर एयरवेज जैसी विदेशी एयरलाइंस ने भी रियाद और आसपास के इलाकों की उड़ानें रद्द या कम कर दी हैं।

हुती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल होना चाहता है इजराइल

रियाद। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी चुनाव से ठीक पहले युद्ध का एक नया मोर्चा खोलने की कोशिश में जुट गए हैं। मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक नेतन्याहू ने अमेरिका की मध्यस्था के जरिए सऊदी अरब से संपर्क किया है और यमन में हुती विद्रोहियों के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान में शामिल होने की इजाजत मांगी है। राजनयिक सूत्रों का हवाला देते हुए इजराइल ने जानकारी दी कि सऊदी अरब के वास्तविक नेता, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने यमन में सैन्य भागीदारी के इजराइली प्रस्ताव का विरोध किया है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे देश की जनता नाराज हो सकती है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक दूसरे सूत्र ने बताया कि तेल अवीव को उम्मीद थी कि अमेरिका के इन दो सहयोगियों के बीच सैन्य सहयोग से उनके क्षेत्रीय संबंध मजबूत होंगे और भविष्य में संबंधों को सामान्य करने वाले समझौते का रास्ता साफ होगा। रियाद का साफ कहना है कि संबंधों को सामान्य बनाना केवल तभी संभव है जब फिलिस्तीनी मुद्दे का स्थायी समाधान निकाला जाए और एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना हो। हालांकि, नेतन्याहू ने अपने हालिया चुनावी अभियान में ऐसा न होने देने का वादा किया है। जब घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हुतियों के लगातार हमलों ने तेल-समुद्र देश के विमानन उद्योग को बाधित कर दिया है, जिसके कारण अधिकारियों ने रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को शनिवार तक बंद रखने का फैसला किया है और एयरलाइंस ने उड़ानें रद्द कर दी हैं। प्रिंस सलमान क्राउन प्रिंस होने के साथ-साथ सऊदी अरब के प्रधानमंत्री भी हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी मंजूरी के बिना नेतन्याहू सरकार को युद्ध में शामिल होने की अनुमति मिलने की संभावना कम है। हालांकि, इजराइली पीएम ने बार-बार रियाद के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के अपने लक्ष्य को दोहराया है। बता दें एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी प्रिंस ने ही सबसे पहले नेतन्याहू को हमस के हमले की योजना के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन इजराइली प्रधानमंत्री ने उस चेतावनी को हलके में लिया और वहां भारी तबाही मची।

विस्कोन्सिन प्लेन क्रैश पायलट की बर्फ

जमने की अंतिम चेतावनी के बाद 6 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के विस्कोन्सिन राज्य में दुखद विमान हादसे में एक बच्चे सहित छह लोगों की दर्दनाक मौत हुई। यह दुर्घटना डेलोना टाउन के मिरर लेक स्टेट पार्क के पास जंगल में हुई, जब छह सीटों वाला सिंगल-इंजन विमान केनोशा से मेनोमोनी जा रहा था। हादसे से ठीक पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को विमान के पंखों पर बर्फ जमने की गंभीर स्थिति की सूचना दी थी, जो हवाई यात्रा के लिए एक बड़ा खतरा माना जाता है। नेशनल सपोरेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के अनुसार, पायलट ने एटीसी को बताया कि 24,000 फीट (करीब 7,315 मीटर) की ऊंचाई पर विमान के पंखों पर बर्फ जम रही थी। इसके तुरंत बाद पायलट ने विमान को नीचे लाने की अनुमति मांगी, जो अनुमति एटीसी ने दे दी। हालांकि, अनुमति मिलने के तुरंत बाद, पाइपर पीए-46 विमान दाईं ओर एक लगातार तैरा होते मोड़ में नीचे उतरने लगा। इसके कुछ ही पलों बाद, विमान से संपर्क टूट गया और उसकी ट्रैकिंग भी बंद हो गई। रात करीब 10 बजे हुए हादसे के समय इलाके में बारिश हो रही थी और गरज-चमक वाला तूफान गुजर रहा था, जो कि स्थिति को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया होगा। विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि विमान के पंखों पर बर्फ की एक पतली परत भी उसकी लिफ्ट (उड़ान भरने की क्षमता) को कम कर सकती है, जिससे विमान को हवा में बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। दुर्घटना स्थल विस्कोन्सिन डेल्टस से लगभग 16 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है, जो अपने कई वाटरपार्क्स के कारण दुनिया की वाटरपार्क राजधानी के रूप में जाना जाता है और प्रतिबंध लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में जमीन पर मौजूद किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई और न ही कोई इमारत या अन्य ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ। एनटीएसबी घातक दुर्घटना के कारणों की गहराई से जांच कर रहा है।



स्पेन के स्कूलों में बेहतर व्यवस्था के लिए प्रदर्शन करते हुए छात्र और शिक्षक।

सऊदी अरब में श्रीलंकाई नागरिक की मौत की सजा रद्द

कोलंबो। श्रीलंका सरकार के निरंतर कूटनीतिक और कानूनी प्रयासों के बाद सऊदी अरब की सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई हिंदू प्रवासी वर्कर अनोइन शिवरासा (24) को सुनाई गई मौत की सजा को रद्द किया है। श्रीलंका के विदेश और विदेशी रोजगार मंत्रालय ने पुष्टि की है कि शीघ्र अदालत ने फैसले को पलट दिया है। शिवरासा को सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कठोर सजा सुनाई गई थी। पूरे मामलेला जून में श्रीलंका में हुई घटना के वीडियो से जुड़ा है, जिस पर ऑनलाइन तीखी बहस छिड़ गई थी। इस बहस के दौरान अन्य यूजर्स की टिप्पणी के जवाब में शिवरासा ने

तमिल भाषा में अपमानजनक कमेंट किया था। यद्यपि उसने तुरंत उस कमेंट को डिलीट कर माफी मांग ली थी, लेकिन कमेंट के स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद सऊदी अरब में उसके नियोजका को इसकी सूचना दे दी गई। इसके बाद अधिकारियों ने शिवरासा को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआत में अल-अहसा क्रिमिनल कोर्ट ने शिवरासा को पांच साल की जेल और 30 लाख सऊदी रियाल के जुर्माने की सजा सुनाई थी, इस सला को बाद में बढ़ाकर मृत्युदंड में बदल दिया गया था। इस फैसले के खिलाफ श्रीलंका सरकार ने तुरंत मोर्चा संभाला और कूटनीतिक व कानूनी माध्यमों से मामला दर्ज कराया।

विदेश मंत्री जयशंकर पहुंचे यूएई, दिल्ली और रियाद के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा पर चर्चा

आबूधाबी। भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर 3 दिवसीय आधिकारिक दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे हैं, जहां विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने समकक्ष और उप प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात को विदेश मंत्री जयशंकर ने सौहार्दपूर्ण और संधिपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श बताया। भारत और यूएई ने हाल के वर्षों में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में अपना सहयोग मजबूत किया है।

ब्रिटेन की सुरक्षा व्यवस्था को रूस-ईरान और तकनीकों से सबसे बड़ा खतरा

लंदन। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 के प्रमुख केन मैकलम ने दुनिया के सामने खड़े गंभीर सुरक्षा संकटों का कच्चा-चिड़्हा खोलकर रख दिया है। अपने संबोधन में मैकलम ने बताया कि ब्रिटेन की सुरक्षा व्यवस्था को किन देशों और तकनीकों से सबसे बड़ा खतरा है। एमआई-5 प्रमुख ने रूस को पश्चिमी देशों के लिए सबसे बड़ा खतरा यानी एग्रेसर नंबर वन करार दिया है। मैकलम ने बताया कि रूस खुलेआम युद्ध करने के बजाय छुपकर या साइबर माध्यमों से तुकसान पहुंचाने की बढ़ावा दे रहा है, ताकि सीधे तौर पर नाटो देशों से सीधा युद्ध छिड़ने की नौबत न आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैकलम ने रूस और यूक्रेन के बीच के संघर्ष का उदाहरण भी दिया। उन्होंने बताया कि यूक्रेन पर हमले के बाद से ब्रिटेन और अन्य देशों ने रूसी दूतावासों से करीब 1000 अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखा। इससे रूस की ताकत कमजोर

हुई है। अब रूस अपनी चालें चलने के लिए स्थानीय स्वयंसेवकों और अपराधियों का सहारा ले रहा है। रूस के अलावा ब्रिटेन के लिए ईरान भी बड़ा चिंता का विषय है। इसका कारण समझाते हुए मैकलम ने बताया कि ईरान ब्रिटेन में अपने विरोधियों, ईरानी मीडिया संगठनों और विशेष तौर पर इजराइली हितों को निशाना बनाने के लिए अपराधी गिरोहों का इस्तेमाल कर रहा है। ब्रिटेन में इसी साल अप्रैल में राष्ट्रीय आतंकवाद खतरे के स्तर को बढ़ाकर गंभीर कर दिया गया था, यानी अगले छह महीनों में हमले की आशंका बहुत ज्यादा है। अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे संगठन आज भी लोगों को भड़का रहे हैं। ऐसे में एमआई5 प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक साल में सबसे खतरनाक ट्रेंड यह देखा गया है कि आब्रजान विरोधी और मुस्लिम विरोधी नफरत तेजी से आतंकवादी सोच में बदल रही है।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने भारतीय समुदाय को दी नवरात्रि और दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहानन ममदानी ने एक्स के जरिए भारतीय प्रवासी समुदाय को नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा और सिंदूर खेला की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इन पावन हिंदू त्यौहारों को आत्मचिंतन और जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक बताया। मेयर ममदानी ने अपने संदेश में कहा कि इस सप्ताह हमारे हिंदू पड़ोसी देवी दुर्गा की भक्ति में लीन हैं। वे गरबा, सिंदूर खेला, घरों में गोलू सजाने और बड़ों से आशीर्वाद स्वरूप टीका लगवाने जैसी समृद्ध धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कामना की कि यह उत्सव सभी के लिए सुख-समृद्धि और नव-ऊर्जा लेकर आए। गौरतलब है कि न्यूयॉर्क शहर और अमेरिका के विभिन्न राज्यों में भारतीय-अमेरिकी समुदायों द्वारा नवरात्रि और दुर्गा पूजा के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। व्हाइट प्लेन्स स्थित हिंदू टेंपल ऑफ ट्राई-स्टेट सहित कई संगठनों ने डॉडिया, गरबा, अष्टमी पूजा और कन्या पूजन जैसे बहुविधसौय अनुष्ठानों का आयोजन किया है, जिनमें भारी संख्या में प्रवासी भारतीय हिस्सा ले रहे हैं।

होर्मुज में दो जहाज डूबे, समुद्र में बिखरा सामान लूटने की लगी होड़



तेहरान। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे सैन्य तनाव का सीधा असर अब समुद्री व्यापार पर दिख रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हाल ही में हुई अलग-अलग घटनाओं में दो मालवाहक जहाज डूब गए हैं। इन हादसों में एक जहाज के चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि दूसरे जहाज पर सवार सभी 21 लोग सुरक्षित बचा लिए गए। इन घटनाओं के बाद समुद्र में कटेनरों से अंतराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और वैश्विक ऊर्जा के रूप में काम करने की पेशकश की है। यदि होर्मुज मार्ग से कच्चे तेल की आवाजाही प्रभावित होती है, तब एशिया में भारी ईंधन संकट पैदा हो सकता है। इसी खतरे को भांपते हुए जापान ने एशियाई देशों को पहले से सतर्क रहने की सलाह दी है।

जहाज जीएफएस प्राइड होर्मुज जलडमरूमध्य के पास डूब गया। जानकारी के अनुसार, जहाज को निशाना बनाए जाने के बाद उसमें आग लग गई और वह क्षतिग्रस्त हो गया। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण के मुताबिक, जहाज पर सवार सभी 21 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया, और इस घटना में किसी भी घायल होने की सूचना नहीं मिली। इससे पहले, एंटीगुआ और बारबुडा के झंडे वाला मालवाहक जहाज केप दाओ भी इसी क्षेत्र में डूब गया था। इस जहाज पर 23 सितंबर को हमला हुआ था, जिसमें चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई थी, जबकि बाकी सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया था। इन दुर्घटनाओं के बाद समुद्र में कटेनरों से सामान बिखर गया, जिसे इकट्ठा करने के लिए कुछ लोग नावों के जरिए वहां

पहुंचे। सामने आए वीडियो में लोगों को बहते सामान, जैसे छोटे-छोटे डिब्बे (जो इत्र की बोतलों से मिलते-जुलते थे), अपनी नावों में भरते देखा गया। समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार, रविवार से मंगलवार के बीच कम से कम 10 जहाजों पर हमले हुए हैं, और अक्टूबर की शुरुआत से अब तक कुल 23 हमलों की जानकारी सामने आई है। इन हमलों में तेल वाहक जहाजों के अलावा कटेनर और अन्य मालवाहक जहाज भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाओं से खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में दबाव बढ़ सकता है। इसी बीच, ईरान के इस्लामिक रिवालयनरी गार्ड्स की नौसेना के रियर एडमिरल अली अजमाई ने अमेरिकी युद्धपोतों को सीधी चेतावनी दी है कि यदि वे होर्मुज जलडमरूमध्य के पास आए, तो उन्हें निशाना बनाकर डुबो दिया जाएगा। अजमाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी युद्धपोत इस क्षेत्र में आने से बच रहे हैं, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के रिवालयनरी गार्ड्स के राजनीतिक उप प्रमुख दयौहदा जवानी ने इस संघर्ष की तुलना दो विश्व युद्धों के प्रभावों से करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति संतुलन बदल सकता है। वहीं, रिवालयनरी गार्ड्स के प्रवक्ता हुसैन मोहबी ने आगामी चुनाव से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान पर नए हमलों की आशंका जताई।



खेल/व्यापार

आईपीएल के आगामी सत्र के लिए नटराजन की सनराइजर्स में वापसी, जीशान दिल्ली से खेलेंगे



मुम्बई। आईपीएल के 2027 सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजियों अपने साथ नये खिलाड़ियों को जोड़ने में लगी है। इसी के तहत ही भारतीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन की अपनी पुरानी टीम सनराइजर्स हैदराबाद में वापसी हुई है। वहीं नजरानन की जगह पर अब युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलेंगे। इस अदला-बदली के बाद इन खिलाड़ियों को मिलने वाली राशि पर भी प्रभाव पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स ने नटराजन को आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी में 10.75 करोड़ की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा था। वहीं अब अब सनराइजर्स हैदराबाद में उनकी वापसी इससे आधी रकम 5 करोड़ में हुई है।

इससे उनकी पिछली फीस में 5.75 करोड़ की कमी आई है। गौरतलब है कि नटराजन की सनराइजर्स में वापसी टीम के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम माना जा रहा है। अपनी सटीक यॉर्कर, डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी और दबाव में विकेट निकालने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले नटराजन को यॉर्कर किंग के नाम से भी जाना जाता है। फ्रेंचाइजी को एक ऐसे अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज की तलाश थी, जो कठिन हालातों में टीम को लाभ पहुंचा सके। वहीं दूसरी ओर स्पिनर जीशान अब दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे। वह अपनी मौजूदा 40 लाख की राशि पर ही टीम का हिस्सा बनेंगे। अंसारी ने आईपीएल 2025 में सनराइजर्स

कीमो भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांच विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज बने

हैदराबाद। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर कीमो पॉल ने यहां भारत के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में पांच विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की है। कीमो ने इस मैच में 41 रन देकर 5 विकेट लिए। इससे वेस्टइंडीज मैच जीतकर सीरीज में बराबरी करने में सफल रहा। कीमो का यह स्पेल कई मायनों में ऐतिहासिक था। वह भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांच विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज बने हैं। इससे पहले, किसी भी मेहमान गेंदबाज ने इस प्रारूप में भारत के खिलाफ यह कारनामा नहीं किया था। यह रिकॉर्ड पहले न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर के नाम था, जिन्होंने मार्च 2016 में नागपुर में 11 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे, लेकिन पॉल ने इसे पार करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इसके साथ ही, पॉल भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांच या उससे अधिक विकेट लेने वाले

दूसरे वेस्टइंडीज गेंदबाज भी बन गए हैं। इस सूची में उनसे आगे केवल ओबेड मैकॉय हैं, जिन्होंने अगस्त 2022 में बसेटरे में 17 रन देकर 6 विकेट लिए थे। पॉल के 5/41 के आंकड़े भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन दर्ज किया गया है, जो उनकी उपलब्धि को और खास बनाता है।

पूर्ण सदस्य देशों के तेज गेंदबाजों में, पॉल टी20 अंतरराष्ट्रीय में दो बार पांच विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बन गए। उन्होंने श्रीलंका के लसित मलिंगा, पाकिस्तान के उमर गुल, न्यूजीलैंड के टिम साउदी, भारत के भुवनेश्वर कुमार और बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठित सूची में अपनी जगह बनाई है। यह उपलब्धि पॉल के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि वह चार साल के अंतराल के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे थे, और उन्होंने अपनी वापसी को इस शानदार प्रदर्शन से यादगार बनाया।



स्लोवेनिया में यूरोपीय हैंडबॉल फेडरेशन के चैंपियंस लीग मुकाबले में खेलती हुई टीमें आरके सिल्वी व पेरिस सेंट जर्मेन।

व्यापार समाचार

जियो का 30,213 करोड़ का आईपीओ 21 अक्टूबर से

संक्षिप्त समाचार

तीन फंड हाउसों ने छह स्कीमों में आईडीसीडब्ल्यू की घोषणा की

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खबर है कि तीन प्रमुख फंड हाउसेस पीजीआईएम इंडिया, सुंदरम और फ्रैंकलिन टेम्पलटन, ने अपनी कुल छह चुनिंदा योजनाओं में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) की घोषणा की है। इन भुगतानों के लिए 16 अक्टूबर को रिकॉर्ड तारीख तय की गई है। आईडीसीडब्ल्यू, जिसे पहले लाभांश या डिविडेंड कहा जाता था, निवेशकों को फंड से समय-समय पर भुगतान की सुविधा देता है। सेबी ने अप्रैल 2021 में इसका नाम आईडीसीडब्ल्यू किया, ताकि स्पष्ट हो कि भुगतान में पूंजी का हिस्सा भी हो सकता है, सिर्फ कमाई नहीं। विभिन्न योजनाओं के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के लिए प्रति यूनिट घोषित रकम अलग-अलग है। उदाहरण के लिए, सुंदरम अग्रेंसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर प्लान में 0.210 रुपये और डायरेक्ट प्लान में 0.330 रुपये प्रति यूनिट मिलेंगे। यदि किसी निवेशक के पास इस फंड की 10,000 यूनिट हैं, तो उन्हें 2,100 रुपये (21 पैसे प्रति यूनिट) मिलेंगे। फ्रैंकलिन इंडिया कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड के डायरेक्ट प्लान में 0.100 रुपये प्रति यूनिट मिलेंगे। यह ध्यान रखना जरूरी है कि घोषित सभी रकम कर कटौती से पहले की हैं, और वास्तविक भुगतान लागू कर नियमों पर निर्भर करेगा। रिकॉर्ड डेट 16 अक्टूबर निर्धारित है, जो यह तय करती है कि कौन से निवेशक आईडीसीडब्ल्यू के हकदार होंगे। हालांकि, पैसा उसी दिन बैंक खातों में आने की गारंटी नहीं है। रिकॉर्ड डेट से ठीक पहले निवेश करने पर आईडीसीडब्ल्यू की गारंटी नहीं है, क्योंकि यूनिट आवंटन और कटऑफ नियम लागू होते हैं। मासिक आईडीसीडब्ल्यू विकल्प होने का मतलब हर महीने तय रकम मिलने को गारंटी नहीं है।

सुनील मितल ने स्टारलंक से पहले की वनवेब के लिए मंजूरी की मांग

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मितल ने भारत में सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए यूटेलसैट वनवेब (यूटीएल) को एलन मस्क की स्टारलंक से पहले मंजूरी देने की जोरदार वकालत की है। उन्होंने तर्क दिया कि वनवेब ने पांच साल पहले आवेदन किया था और उसका जमीनी एवं उपग्रह नेटवर्क तैयार है, इसलिए उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह बयान एलन मस्क द्वारा भारतीय उद्यमियों पर स्टारलंक के प्रवेश में बाधा डालने के आरोप लगाए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है, जिससे भारत के सैटकॉम बाजार में एक नई बहस छिड़ गई है। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम 2026 में एक परिचर्चा के दौरान सुनील भारती मितल ने कहा कि वनवेब का जमीनी नेटवर्क पिछले तीन साल से और उपग्रह पिछले पांच साल से भारत के ऊपर मौजूद हैं, बावजूद इसके उन्हें अभी तक जरूरी अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब को स्टारलंक से कुछ दिन पहले ही मंजूरी मिल जाएगी। मितल का यह बयान स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क द्वारा एक्स पर रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो पर स्टारलंक के प्रवेश को रोकने का आरोप लगाने के बाद आया है। मस्क ने कामकाज शुरू करने के बावजूद मंजूरी में देरी पर सवाल उठाए थे। स्पेसएक्स में स्टारलंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन डेयर ने 7 अक्टूबर को बताया था कि कंपनी ने भारत में पिछले पांच वर्षों में 20 गेटवे और सैकड़ों एंटीना के साथ अपना परिचालन तैयार कर लिया है और सेवा शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, संचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद और समान प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अन्य मुद्दों पर बात करते हुए मितल ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से विकास को देखते हुए इसके नियमन की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि सरकारें तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही हैं।

बाजार में भारी तेजी की उम्मीद, रिलायंस का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्मस का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर से निवेश के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य इस निर्गम के जरिए 30,213 करोड़ रुपये जुटाना है। यह देश का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। कंपनी ने प्रति शेयर 1,065 से 1,119 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में इस शेयर की लिस्टिंग संभावित है। जियो के आईपीओ को लेकर शेयर बाजार में उत्साह का माहौल है। रिलायंस समूह की बाजार में मजबूत स्थिति, डिजिटल कारोबार का विस्तार और



विदेशी निवेशकों की भागीदारी इसे खास बना रही है। मेटा और गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की जियो में हिस्सेदारी पहले से ही निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख कारण

है। कंपनी को उम्मीद है, श्रआईपीओ से प्राप्त पूंजी का उपयोग कारोबार विस्तार और वित्तीय स्थिति मजबूत करने में किया जायेगा। आईपीओ से पहले बाजार में तेजी

की उम्मीदें बढ़ गई हैं। गुरुवार को शेयर बाजार खोलते ही मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में 1300 अंक और निफ्टी में 350 अंक से की बोच चर्चा है, जियो की लिस्टिंग तक बाजार में तेजी का माहौल बना रहेगा। हालांकि, किसी बड़े आईपीओ का आना अपने आप में पूरे बाजार में तेजी की गारंटी नहीं है। पूर्व के इतिहास को देखें तो जब भी रिलायंस समूह का कोई भी शेयर आता है,उस समय बाजार में तेजी देखने को मिलती है। रिलायंस समूह शेयर बाजार का सबसे बड़ा खिलाड़ी है.निर्गम के प्रति निवेशकों की प्रतिक्रिया, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और कंपनियों के वित्तीय नतीजे आने वाले समय में बाजार की दिशा

तय करेंगे। रिलायंस समूह से जुड़े बड़े निर्गमों के दौरान निवेशकों का ध्यान संबंधित शेयरों और बाजार की गतिविधियों पर बढ़ जाता है। ऐसे में जियो का शेयर आईपीओ तथा शेयर बाजार को नई गति दे सकता है. लिस्टिंग तक लगातार तेजी रहने का अनुमान निवेशकों द्वारा लगाया जा रहा है. इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है. निवेशकों के लिए जरूरी है कि वह उसाह के साथ मूल्यांकन और जोखिम को ध्यान में रखते हुए निवेश करें। भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जियो का मुकाबला एलन मस्क की कंपनी स्टार लंक के साथ है. ऐसी स्थिति में रिलायंस जियो के को आगे चक्कर बहुत सारी चुनौतियां मिल सकती हैं. इस जोखिम का ध्यान निवेशकों को रखना होगा।

पारस हेल्थकेयर का आईपीओ २1 को खुलेगा

नई दिल्ली। पारस हेल्थ ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली पारस हेल्थकेयर लिमिटेड 21 अक्टूबर को अपना 1,450 करोड़ रुपये का आंशिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएगी। इसके लिए मूल्य दायरा 660-693 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गुरुवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार तीन दिन का यह सार्वजनिक निर्गम 23 अक्टूबर को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 19 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और 950 करोड़ रुपये की वित्तीय पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई प्रमुख क्षेत्रों के शेयरों में आज जोरदार खरीदारी रही। हालांकि, बाजार की इस समग्र उछाल के बावजूद, कई शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,533.72 अंक की बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी 374.65 अंक बढ़कर 22,997.35 के स्तर पर जा पहुंचा।

बाजार को इस जोरदार रिकवरी में दिग्गज सेक्टरों ने मुख्य भूमिका निभाई। ऑटो, आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस, प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जिन्होंने सूचकांकों को ऊपर खींचने में अहम योगदान दिया। इन क्षेत्रों में आई खरीदारी ने बाजार के सेंटीमेंट को सकारात्मक बनाए रखा। इसके विपरीत, सभी क्षेत्रों में एक समान उसाह नहीं दिखा। मीडिया और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 से 1.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। वहीं, ब्रॉड मार्केट का रुख मिला-जुला रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 फीसदी टूटकर बंद हुए।

रिलायंस ने 20 रुपए में जोयलैण्ड फ्लेवर्ड मिल्क किया लांच

मुंबई। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने सॉफ्ट ड्रिंक और आइसक्रीम के बाद अब फ्लेवर्ड मिल्क बाजार में भी कदम रख दिया है। कंपनी की सॉफ्टड्रिंयरी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीओ) ने तमिलनाडु में जोयलैण्ड फ्लेवर्ड मिर्क ब्रांड को 20 रुपये की किफायती कीमत पर लॉन्च किया है। इस रणनीतिक कदम से रिलायंस अब अमूल, मदर डेयरी और आईसीटी जैसे स्थापित खिलाड़ियों को सीधी चुनौती देगी, जिससे डेयरी ड्रिंक्स सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है। आरसीपीसी के अनुसार जोयलैण्ड फ्लेवर्ड मिल्क डेयरी सामग्री से बना है और शुरुआत में स्ट्रॉबेरी व वनीला फ्लेवर में सुविधाजनक पैक में उपलब्ध होगा। कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों को किफायती दामों पर स्वादिष्ट डेयरी ड्रिंक उपलब्ध कराना और रेडी-टू-

ड्रिंक डेयरी उत्पादों की श्रेणी में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एक अर्थशास्त्री ने इस पहल को कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। भारत में फ्लेवर्ड मिल्क बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिसका आकार 2021 में करीब 4,420 करोड़ रुपए था और 2026 तक इसके लगभग 8,360 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इस श्रेणी में पहले से ही अमूल क्लूट, मदर डेयरी, नंदिनी और सनफीस्ट स्मूट जैसे ब्रांड मजबूत पकड़ रखते हैं। जोयलैण्ड की एंटी से बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। रिलायंस ने तमिलनाडु से शुरुआत की है और भविष्य में इसे देश के अन्य बाजारों में भी पहुंचाने तथा डेयरी ड्रिंक्स की व्यापक रेंज विकसित करने की योजना बनाई है।

श्रेयस अय्यर ने हार के लिए कमजोर

गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में टीम को मिली 24 रनों की हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया है। श्रेयस ने कहा कि टीम के गेंदबाज हालात के अनुरूप गेंदबाजी नहीं कर पाये। इस मैच में 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 223 रन ही बना पायी। इससे अब सीरीज 2-2 से बराबरी पर आ गयी है। ये पहली बार है जब इस मैदान पर वेस्टइंडीज जीती है। अय्यर ने कहा कि भारतीय गेंदबाज सही लाइन और लेंथ हासिल नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि जब सामने 250 रनों का लक्ष्य हो तो टीम को एक विशेष तरीके से खेलना रहता है। साथ ही कहा कि संजू सैमसन, तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने पारी को संभालने का प्रयास किया पर लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से मैच उसके हाथ से निकल गया। मैच के बाद अय्यर ने कहा, हार का कारण कमजोर गेंदबाजी रही। मुझे लगता है हमने लाइन और लेंथ बरकरार नहीं रखी जिस कारण विरोधी टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। जब सामने 250 रनों का लक्ष्य हो तो आपको एक खास तरीके से खेलना होता है। लक्ष्य का पीछा मुझे करने का तरीका ठीक था पर हम गेंदबाजी में अपनी योजना पर काम नहीं कर पाए। भारतीय गेंदबाजों ने जमकर रन दिये। मयंक यादव और अश्वदीप सिंह ने तो मिलकर 8 ओवरों में 100 से अधिक रन बना दिये। वहीं नमन धीर ने सिर्फ एक ओवर किया, जिसमें उन्होंने 19 रन दिए। इसके अलावा प्रिंस यादव, अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी भी महंगे साबित हुए।टीम इंडिया ने 17 ओवर में 200 रन बन लिए थे। 19वें ओवर में नीतीश रेड्डी, अक्षर पटेल और प्रिंस यादव के रूप में 3 विकेट गिर गए। इससे भारतीय टीम की उम्मीदें समाप्त हो गयीं

सैमसन ने गेंदबाजों का किया बचाव

किया , बोले बुमराह की कमी खली

हैदराबाद। बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मिली हार के बाद आलोचना का शिकार हो रहे गेंदबाजों का बचाव किया है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने विशाल 247 रन बनाकर भारत को 24 रन से हराया, जिससे पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर हो गई। सैमसन ने कहा कि इस मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से टीम को नुकसान हुआ। इसके साथ ही सैमसन ने युवाओं का भी समर्थन किया। मैच के बाद सैमसन ने कहा, बुमराह का कोई विकल्प नहीं है। वह पीढ़ी में एक बार आने वाले गेंदबाज हैं और हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास वह हैं। उन्होंने इसके साथ ही अश्वदीप सिंह और प्रिंस यादव जैसे युवा तेज गेंदबाजों की सलाहना करते हुए कहा कि उनके पास अच्छी प्रतिभा है और अधिक मौके व समर्थन मिलने पर वे निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। सैमसन ने यह भरोसा जताया कि टीम के पास सक्षम गेंदबाज हैं और निरंतरता से ही वे बेहतर बन पाएंगे। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में भारतीय गेंदबाजों को लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रिंस को छोड़कर शेष, भारतीय तेज गेंदबाजों की इकॉनमी रेट 10 रन प्रति ओवर से अधिक रही है, जिसमें प्रमुख तेज गेंदबाज अश्वदीप सिंह की इकॉनमी भी लगभग 10.93 रन प्रति ओवर है। बल्लेबाजी के अनुकूल पियों और वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों के सामने भारतीय गेंदबाजों को रन रोकने में मुश्किल हो रही है। इसके अलावा, टीम को पांचवें गेंदबाज के विकल्प को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नमन धीर ने कुछ हद तक यह जिम्मेदारी संभाली है। ऐसे में निर्णायक मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन के सामने गेंदबाजी संयोजन को लेकर अहम सवाल खड़े हैं और उन्हें एक ऐसे गेंदबाज की तलाश होगी जो बीच के ओवरों में विकेट लेने के साथ-साथ रन गति पर भी अंकुश लगा सके।

सेवा संकल्प अभियान में 15 लाख 83 हजार आवेदकों को मिला हितलाभ : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने डॉ.ढालसिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त होने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के सफल और उपलब्धियों से इन 25 वर्ष पूर्ण होने पर आरंभ सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 01 हजार 345 शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 17 लाख 18 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए तथा 15 लाख 83 हजार आवेदकों को हितलाभ मिला है। उन्होंने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा में लगभग 01 हजार 600 यात्राएं निकाली गईं। यात्राएं लगभग 15 हजार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र में निकाली गईं। इन यात्राओं में 11 लाख से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की। सेवा मेरा योगदान अंतर्गत कुल 11 प्रकार की सेवाओं में 50 लाख से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की। नमो सेवा में 665 नुक़्क़ टोलियाँ बनीं, जिनकी 03 हजार 700 से अधिक प्रस्तुतियाँ हुईं। सेवा के रंग –राष्ट्र के



संग के अंतर्गत 06 जिलों इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर,जबलपुर,झाबुआ एवं आलीराजपुर में ह्यूमन रंगोली बनाई गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यह जानकारी मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद और प्रदेश के वरिष्ठ नेता डॉ.ढालसिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश

के 05 जिलों क्रमशः डिण्डौरी, सीधी, उमरिया टीकमगढ़ एवं शहडोल को पी.एम.धन-धान्य कृषि योजना में बेहतर प्रदर्शन के लिए भारत सरकार सम्मानित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए कृषि मंत्री सहित संबंधित जिलों के कलेक्टर और कृषि विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह-2026 में मध्यप्रदेश ने देश में

तीसरा स्थान हासिल किया है। प्रदेश में पोषण जागरूकता से जुड़ी लगभग 2 करोड़ गतिविधियों की प्रविष्टियां दर्ज की गईं। मंदसौर और नीमच ने राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पी.एम. आवास योजना शहरी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार ने मध्यप्रदेश को पुरस्कृत किया है। इस योजना में मध्यप्रदेश पूरे देश में तीसरे स्थान पर रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि गत दिवस हुए मुम्बई रोड शो में अक्षय ऊर्जा और भंडारण, फार्मास्यूटिकल, ई-बस, बायोगैस, स्मार्ट मीटर सहित अन्य मूलभूतउ उद्योग सेक्टरों में लगभग 90 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे लगभग 20 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि म.प्र. पर्यटन द्वारा प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित ट्रेवल मार्ट सफल रहा।

पत्नी और साली की हत्या में पूर्व एसआई योगेश मरावी को दोहरी उम्रकैद

भोपाल के ऐशबाग में अपनी पत्नी विनीता और साली मेधा पर किया था चाकू से हमला

भोपाल। राजधानी भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र में पत्नी और साली की हत्या के मामले में अदालत ने पूर्व सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) योगेश मरावी को दोहरी आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश सुचिता श्रीवास्तव की अदालत ने गुरुवार को आरोपित को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया। इसके अतिरिक्त आर्मुस एक्ट के तहत तीन साल के कारावास की सजा भी दी गई है। लोक अभियोजन अधिकारी सुधा श्रीवास्तव ने फैसले की जानकारी दी। यह मामला 3 दिसंबर 2024 का है। उस दिन मंडला जिले में एएसआई के पद पर पदस्थ योगेश मरावी ने भोपाल के ऐशबाग स्थित एक फ्लैट में अपनी पत्नी विनीता मरावी और साली मेधा उड्डेक पर चाकू से हमला कर दिया था। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जांच के दौरान सामने आया था कि आरोपित ने मेधा पर 56 और विनीता पर 16 वार किए थे। इस दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। जांच के दौरान सामने आई जानकारी के



फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन करने वाला भारत का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के फैसले के बाद मध्यप्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं और बोर्ड परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक को रोकने के लिए सरकार और उच्च न्यायालय द्वारा राज्य में पेपर लीक और नकल से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए चार विशेष अदालतों का गठन किया गया है। फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन करने वाला भारत का सबसे पहला राज्य मध्यप्रदेश बन गया है। विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए बनाई गई त्वरित जाँच/कानूनी प्रणाली या उडनदस्तों से संबंधित है। इन

फास्ट-ट्रैक अदालतों को चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर मामले का निपटारा (ट्रायल पूरा) करने का लक्ष्य दिया गया है। फास्ट-ट्रैक कोर्ट में पैरवी विशेष अभियोजक करेंगे। संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व मे एसआईटी का गठन किया गया है। फास्ट-ट्रैक कोर्ट भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, और जबलपुर महानगरों में बनाई जायेगी, जिनका कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है। भोपाल में फास्ट-ट्रैक विशेष न्यायालय के अंतर्गत भोपाल, सीहोर, रायसेन, बैतुल, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़ और विदिशा जिलों के मामलों की सुनवाई करेगी। इंदौर में फास्ट-ट्रैक विशेष न्यायालय के अंतर्गत इंदौर, धार, रतनाम, झाबुआ, मंदसौर, उज्जैन, देवास और आसपास के मालवा-निमाड़ क्षेत्र के मामलों को देखेगी। ग्वालियर में फास्ट-ट्रैक विशेष न्यायालय के अंतर्गत ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोकनगर और टीकमगढ़ जिलों का अधिकार क्षेत्र इनके पास है। जबलपुर में फास्ट-ट्रैक विशेष न्यायालय के अंतर्गत जबलपुर,सागर,रीवा,सतना, छिंदवाड़ा, शहडोल और महाकौशल/बुंदेलखंड के अन्य जिलों के मामले यहां सुने जाएंगे। राज्य शासन ने फास्ट-ट्रैक कोर्ट के लिए विशेष अभियोजकों की नियुक्ति की है।

भरत यादव ने मप्र जनसंपर्क विभाग के सचिव का संभाला कार्यभार

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी भरत यादव ने गुरुवार को राजधानी भोपाल स्थित मंत्रालय, वल्लभ भवन में जनसंपर्क विभाग के सचिव का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उप सचिव कैलाश बुन्देला ने सचिव भरत यादव का स्वागत किया। नवागत सचिव यादव ने विभागीय कार्यों की जानकारी भी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। विभाग के कर्मचारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मध्यप्रदेश में महिला आरक्षक को जेंडर परिवर्तन संबंधी मिली अनुमति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस में पदस्थ महिला आरक्षक के जेंडर परिवर्तन संबंधी प्रकरण में गृह विभाग को अनुमति प्रदान करने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के परिपालन में गृह विभाग द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। प्रकरण में निमानुसार आगामी कार्यवाही पुलिस मुख्यालय द्वारा की जा रही है। पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जानकारी दी गई कि महिला आरक्षक द्वारा जेंडर परिवर्तन के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण के संबंध में भारत के राजपत्र में संबंधित अधिसूचना का प्रकाशन कराया गया तथा नोटरीकृत शपथ-पत्र भी प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण के परीक्षण के लिए गांधी चिकित्सा महाविद्यालय,भोपाल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। इसके उपरांत मानसिक रोग विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष द्वारा चिकित्सकीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा भी प्रकरण में अनुशंसा की गई। प्रकरण से संबंधित दस्तावेजों एवं चिकित्सकीय अभिमतों के परीक्षा के उपरांत पुलिस मुख्यालय,भोपाल द्वारा आवश्यक निर्णय के लिए अनुशंसा सहित प्रकरण शासन की प्रेषित किया गया था।

साइबर अपराधों में स्टाम्प शुल्क एक हजार से घटकर होगी 100 रुपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर साइबर अपराधों के पीड़ितों को आर्थिक राहत प्रदान करने और उनकी उगी गई धनराशि वापस दिलाने की प्रक्रिया को अधिक क्रियाशील बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। इसके तहत मनी रिस्टोर्ेशन मॉड्यूल के माध्यम से धनराशि की वापसी की प्रक्रिया पर देय स्टाम्प शुल्क एक हजार रुपए से घटाकर 100 रुपये किया जाएगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को यह जानकारी दी। बताया गया कि इस निर्णय से संबंधित प्रक्रिया में पीड़ितों पर पड़ने वाला आर्थिक भार कम होगा और उन्हें अपनी धनराशि वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया में राहत मिलेगी। राज्य शासन की इस पहल से साइबर अपराध पीड़ितों के हितों की रक्षा और उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करने के प्रयासों को बल मिलेगा। साइबर उगी के मामलों में धनराशि वापस दिलाने की प्रक्रिया को कम खर्चीला बनाना पीडित-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य शासन साइबर अपराधों की रोकथाम, नागरिकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और साइबर अपराध से प्रभावित व्यक्तियों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सुबह टहलने निकले बुजुर्ग की ट्रेन की वॉपेट में आने से हुई मौत

भोपाल। भोपाल के ऐशबाग इलाके में गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्मा कायम कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, नरेंद्र देव नगर, ऐशबाग निवासी कमल सिंह (60 वर्ष) पहले ड्राइवर थे, लेकिन आंखों की रोशनी कम होने के कारण उन्होंने कुछ समय पहले काम करना बंद कर दिया था। वे ज्यादातर समय घर पर ही रहते थे। गुरुवार सुबह वे टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान बरखेड़ी रेलवे ट्रैक पार करते समय सामने से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर ऐशबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान की गई और परिवजनों को सूचना दी गई। गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिवजनों को सौंप दिया गया। ऐशबाग थाना पुलिस ने मामले में मर्मा कायम किया है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

जीतू की मौजूदगी में भीम आर्मी पदाधिकारियों ने थामा कांग्रेस का हाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने के प्रयासों के बीच भीम आर्मी के कई प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में गुरुवार को हुए इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक भी मौजूद रहे। कांग्रेस में शामिल होने वालों में भीम आर्मी के प्रदेश सचिव विलास पटेल, प्रदेश महासचिव सत्येंद्र विमल, विधि प्रभावी डेक्कन पाटिल, विधानसभा अध्यक्ष नागेश, जिला अध्यक्ष रंजीत दामले, जिला उपाध्यक्ष नीलेश हेरोडे और प्रकाश वानखेडे सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस संविधान, सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी लोगों का स्वागत करती है। उन्होंने पार्टी की विचारधारा से जुड़कर संगठन को मजबूत करने वाले नए सदस्यों का स्वागत किया। कांग्रेस अब पार्टी छोड़कर जा चुके नेताओं और कार्यकर्ता को दोबारा संगठन से जोड़ने के लिए ‘घर वापसी’ कार्यक्रम की तैयारी कर रही है। पार्टी के अनुसार, इस पहल के तहत अब तक 600 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार जताया

भोपाल। मध्य प्रदेश में जबलपुर-भोपाल-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित करने और इसके लिए 100 करोड़ रुपए की प्रारंभिक अंशपूंजी से विशेष प्रयोजन कंपनी (एसपीवी) के गठन को मंत्रि-परिषद की मंजूरी मिलने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार जताया है। उन्होंने इस फैसले को प्रदेश में औद्योगिक विकास, निवेश विस्तार और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि यह कॉरिडोर महाकौशल, मध्यभारत और मालवा-निमाड़ अंचल में औद्योगिक गतिविधियों को

गति देने के साथ प्रदेश के संतुलित विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। इससे औद्योगिक अर्थोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सात जिलों में विश्वस्तरीय औद्योगिक हब विकसित करने की योजना से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है। सरकार का लक्ष्य निवेश को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों तक पहुंचाना और युवाओं को अपने ही जिले या आसपास के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि मार्च 2028 तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित करने और करीब तीन लाख प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना

बायो मेडिकल वेस्ट को लेकर अस्पताल पर लगाया 10 हजार का जुर्माना



नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर शहर में सफाई व्यवस्था की निगरानी

भोपाल। भोपाल शहर में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की। करोड़ चौराहे स्थित अटल मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में बायो मेडिकल वेस्ट सामान्य कचरे के साथ मिलाकर रखने पर प्रबंधन से 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं, परशुराम चौराहे के पास खुले में कचरा फेंकने वाले एक रहवासी को जुर्माना भरने से इनकार करने पर थाने ले जाया गया। वहां गलती स्वीकार करने के बाद उसने 500 रुपये का सॉफ्ट फाइन जमा किया। नगर निगम आयुक्त संस्कृति

जैन के निर्देश पर शहर में सफाई व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को जोन क्रमांक 17 के अमले ने वार्ड क्रमांक 79 में निरीक्षण किया। इस दौरान करोद चौराहे पर स्थित अटल मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में अस्पताल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट को सामान्य कचरे के साथ मिलाकर रखना पाया गया। निगम अमले ने इस लापरवाही पर अस्पताल प्रबंधन से 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। इसी तरह जोन क्रमांक 16 के अमले ने वार्ड क्रमांक 68 में निरीक्षण के दौरान परशुराम चौराहे के पास एक रहवासी को खुले में कचरा फेंकते हुए पकड़ा। निगम कर्मचारियों ने उसे ऐसा करने से रोका और सॉफ्ट फाइन जमा करने को कहा, लेकिन उसने जुर्माना भरने से इनकार कर दिया। इसके बाद निगम का अमला संबंधित रहवासी को अयोध्या थाने ले गया। वहां रहवासी ने अपनी गलती स्वीकार की और 500 रुपये का जुर्माना जमा किया। निगम कर्मचारियों ने उसे समझाइश दी कि भविष्य में खुले में कचरा न फेंके और कचरा हमेशा नगर निगम के कचरा वाहन को ही सौंपे। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

मांगों को लेकर भोपाल में कोरोना योद्धाओं ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन

नौकरी की मांग को लेकर पीपीई किट पहनकर महिला स्वास्थ्यकर्मी ने जताया विरोध

भोपाल। कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों का नौकरी में वापसी की मांग को लेकर अदोलन तेज हो गया है। राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में 11 दिन से धरने पर बैठे इन स्वास्थ्यकर्मियों ने गुरुवार को अर्धनग्न प्रदर्शन कर सरकार के प्रति नाराजगी जताई। पुरुष कर्मचारियों ने अर्धनग्न होकर विरोध किया,जबकि महिला स्वास्थ्यकर्मी पीपीई किट पहनकर प्रदर्शन में शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कोरोना काल में जान जोखिम में डालकर सेवाएं देने के बावजूद उन्हें नौकरी से हटा दिया



गया। अब वे पुनर्बहाली और रोजगार की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। ऑदोलनकारियों के मुताबिक, कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में करीब 4 हजार स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्तियां की गई थीं। संकट के समय अस्पतालों और स्वास्थ्य

केंद्रों में सेवाएं देने वाले इन कर्मचारियों की नियुक्तियां बाद में समाप्त कर दी गईं। अब कर्मचारी चाहते हैं कि उन्हें फिर से रोजगार दिया जाए और स्वास्थ्य विभाग को मजबूर हैं। संघ ने सरकार से मांग की है कि कोरोना काल में सेवाएं देने वाले प्रभावित कर्मचारियों के भविष्य को लेकर स्पष्ट निर्णय

आयुष चिकित्सक संघ के प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असादी ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने बेहद कठिन परिस्थितियों में काम किया। उनके मुताबिक, करीब 45 डिग्री तापमान में पीपीई किट पहनकर 10 से 12 घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती थी। उस समय सरकार ने स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना योद्धा बताते हुए उनके योगदान की सराहना की थी, लेकिन महामारी का प्रभाव कम होने के बाद बजट की कमी का हवाला देकर सेवाएं समाप्त कर दी गईं। असादी ने कहा कि जिन कर्मचारियों ने संकट के समय स्वास्थ्य की नियुक्तियां बाद में समाप्त कर दी गईं। अब कर्मचारी चाहते हैं कि उन्हें फिर से रोजगार दिया जाए और स्वास्थ्य विभाग को मजबूर हैं। संघ ने सरकार से मांग की है कि कोरोना काल में सेवाएं देने वाले प्रभावित कर्मचारियों के भविष्य को लेकर स्पष्ट निर्णय

लिया जाए। स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, भोपाल के नीलम पार्क में 5 अक्टूबर से धरना-प्रदर्शन जारी है। इस दौरान कर्मचारी अलग-अलग तरीकों से अपनी मांग उठा चुके हैं। इससे पहले वे मुंडन कराने, केशदाहन करने और सद्बुद्धि यज्ञ जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रमों के जरिए विरोध जता चुके हैं। अब अर्धनग्न प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने की कोशिश की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि धरना शुरू होने के बाद से अब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे चर्चा करने नहीं पहुंचा है। हालांकि, इस संबंध में सरकार या संबंधित विभाग का पक्ष सामने नहीं आया है। संघ की प्रमुख मांग है कि स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर कोरोना काल में काम कर चुके कर्मचारियों को संविदा आधार पर नियुक्त किया जाए।